इंदौर भारत का पहला भिक्षावृत्ति मुक्त शहर

स्रोत: ईटी

सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय की **भिक्षावृत्ति मुक्त भारत पहल** के तहत **इंदौर, मध्य प्रदेश** को भारत का पहला भिक्षावृत्ति मुक्त शहर घोषित किया गया है।

- यह उपलब्धि, जिसे विश्व बैंक द्वारा भी मान्यता प्रदान की गई है, **"भिक्षावृत्ति में संलग्न व्यक्तियों का व्यापक पुनर्वास" (Comprehensive Rehabilitation of Persons Engaged in the Act of Begging)** के तहत किये गए निरंतर पुनर्वास प्रयासों का परिणाम है, जो **स्माइल योजना (SMILE scheme)** की एक उप-योजना है।

भिक्षावृत्ति:

- **भिक्षावृत्ति या भीख मांगने** में विभिन्न कार्यों जैसे गाना, वस्तुएँ बेचना या विकृतियाँ प्रदर्शित करके भिक्षा मांगना शामिल है।
- **स्थिति:** **जनगणना 2011** के अनुसार **भारत में 4.13 लाख भिखारी हैं**, जिनमें सबसे अधिक संख्या **उत्तर प्रदेश, बिहार, महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश** में है। **SECC 2011** के अनुसार 6.62 लाख ग्रामीण परिवार भिक्षावृत्ति पर निर्भर हैं।
- **संवैधानिक आधार**: **आहडिन अथवा वैग्रेंसी (भिक्षावृत्ति सहित)** समवर्ती सूची **(सूची III, प्रविष्टि 15)**, जहाँ केंद्र और राज्य दोनों कानून बना सकते हैं।
- **कोई केन्द्रीय कानून नहीं** : भारत में **भिक्षावृत्ति पर एक समान केंद्रीय कानून** का अभाव है और **बॉम्बे भिक्षावृत्ति निवारण अधिनियम, 1959** के तहत एक मुख्य कानून के रूप में कार्य करता है, जो **भिक्षावृत्ति** को अपराध बनाता है तथा भिखारियों को व्यापक रूप से परिभाषित करता है।

स्माइल योजना: भिक्षावृत्ति में संलग्न व्यक्तियों का पुनर्वास

- **वर्ष 2022** में शुरू की गई **SMILE योजना** में 2 उप-योजनाएँ शामिल हैं: **भिक्षावृत्ति में संलग्न व्यक्तियों का पुनर्वास** और **ट्रांसजेंडर व्यक्तियों का सशक्तीकरण।**
  - **भिक्षावृत्ति उप-योजना** का उद्देश्य धार्मिक, ऐतिहासिक और पर्यटन शहरों जैसे शहरी क्षेत्रों में भीख मांगने में संलग्न **व्यक्तियों की पहचान करना, उनकी प्रोफाइल** बनाना और उनकी सहमति से उनका पुनर्वास करना है।
  - इसका लक्ष्य **वित्त वर्ष 2023-24** से वित्त **वर्ष 2025-26** तक **कम-से-कम 8,000** व्यक्तियों का पुनर्वास करना है।
- **पुनर्वास रणनीति:** इसमें पहचान, पहुँच और पुनर्वास के लिये स्थानीय निकायों के साथ **समन्वय करना, फोटो/वीडियो दस्तावेज़ीकरण के माध्यम से सहानुभूतिपूर्ण संपर्क और प्रोफाइलिंग शामिल** है।
- ज़िला प्रशासन, **गैर सरकारी** संगठन, स्वयं सहायता समूह और मंदिर ट्रस्ट परामर्श, शिक्षा और पुनः एकीकरण सहायता जैसी सेवाएँ प्रदान करते हैं।

और पढ़ें: भिक्षावृत्ति पर प्रतिबंध, SMILE के माध्यम से समावेशी समाज का निर्माण।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/indore-declared-india-s-first-beggar-free-city